पंजाब केसरी 08/12/2024

जी.एम.एन. कॉलेज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत हुआ विस्तार व्याख्यान

जी.एम.एन. कॉलेज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित विस्तार व्याख्यान में विद्यार्थियों को संबोधित करतीं समाज शास्त्र विभाग की सहायक प्रोफैसर मनदीप कौर। (देवदत्त)

अम्बाला, 7 दिसम्बर (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज ने सामाजिक जागरुकता और छात्रों के बीच अधिकारों के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफैसर मनदीप कौर थीं।

मुख्य वक्ता मनदीप कौर ने अपने संबोधन में बाल विवाह को एक सामाजिक बुराई करार दिया, जो बच्चों के जीवन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल बच्चों के अधिकारों का हनन नहीं है, बल्कि यह उनके उज्ज्वल भविष्य को भी बाधित करता है।

उन्होंने छात्रों को समझाया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने परिवार और समाज में इस विषय पर चर्चा करें और बाल विवाह को जड़ से समाप्त करने में अपना योगदान दें।

अपने संदेश में कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि हमारा संस्थान सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित करने और सरकार की पहल को समर्थन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हमारे कॉलेज ने हमेशा लैंगिक समानता, महिलाओं एवं लड़कियों के अधिकारों और उनके प्रति समाज में सम्मान को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। हमारा उद्देश्य छात्रों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम की संयोजिका भौतिकी विभाग की सहायक प्रोफैसर डा. नियति ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक अपराध है और इसे रोकने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। साथ ही उन्होंने छात्रों से अपील की कि यदि आपके आसपास कहीं भी बाल विवाह हो रहा हो तो इसे रोकने के लिए तुरंत कदम उठाएं।

जागरुकता और एकजुटता ही इस समस्या का समाधान है। यह कार्यक्रम छात्रों को न केवल बाल विवाह की समस्या से अवगत कराने में सफल रहा, बल्कि उन्हें समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरित भी किया। इस कार्यक्रम में डा. सरोज, डा. नीना, डा. रवनीत कौर एवं लगभग 60 विद्यार्थी मौजूद रहे।